हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 30 .4 डिग्री
न्यूनतम 8 .1 डिग्री

11 विधायक ने सुनीं समस्याएं अधिकारियों को दिए निर्देश

12 रेलवे व गुमड़ रोड रेलवे फ्लाईओवर पर लगाने...

खबर संक्षेप

सोनीपत। भूमि पूजन के दौरान प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

नए टेनिस कोर्ट का भूमि किया पूजन

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में तीन टेनिस कोर्ट बनने जा रहे है जिसका भूमि पूजन स्कूल प्राचार्या डॉ. किरण दलाल द्वारा भूमि पूजन के साथ किया गया। भूमि पूजन के दौरान खेल निदेशक नरेंद्र नेगी, स्पोर्ट्स हेड संतोष के साथ अन्य सभी कोच व विद्यालय स्टाफ सदस्य रहे।

युवती ने फंदा लगा की जीवनलीला समाप्त

गन्नौर। शहर के अशोक नगर की सुनारों वाली गली में रविवार की रात एक युवती ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगा कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना के बाद थाना गन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए खानपुर मेडिकल भिजवा दिया। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि मृतका के भाई दीपक के अनुसार उसकी 23 वर्षीय बहन निताशा की सहेली की चिरस्मी गांव में शादी थी। वह अपने शादी में अकेले जाने की जिद कर रही थी, लेकिन उसके स्वजन ने उसे अकेले जाने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर निताशा ने अपने कमरे जा कर खुद को फांसी लगा ली। पुलिस ने इस संबंध में 174 की कार्रवाई की है।

तार चोरी में शामिल आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। राई थाना सोनीपत पुलिस टीम ने बिजली की तार चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मुन्ना निवासी मोतीपुर, बिहार हालत में दुर्गा कॉलोनी बढ़मलिक सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सिपाही प्रीतम ने बताया कि गत दो मार्च को उनकी टीम बढ़ मलिक मोड पर मौजूद थी। उसी दौरान एक युवक जोकि रामनगर बढ़ मलिक के शमशान घाट के पास बिजली की वायर से तार निकालकर नीले प्लास्टिक कट्टे मे डालकर केएमपी फ्लाईओवर से होता हुआ आ रहा है। टीम ने उसे काबू कर लिया। उसके पास से चोरी की तारें मिली। जिसे वह बेचने के लिए जा रहा था। जांच अधिकारी सिपाही प्रीतम ने आरोपित को कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बोर्ड परीक्षा को लेकर प्रशासन सख्त अफसरों ने किया केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की आयोजित की जा रही परीक्षाओं में आए दिन नकल के मामले सामने आने के बाद प्रशासन ने सोमवार को सख्ती दिखाई। उपायुक्त के नेतृत्व में सभी एसडीएम व प्रशासनिक अधिकारियों ने अलग-अलग परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित की गई। इस दौरान बरोदा परीक्षा केंद्र पर बाहरी हस्तक्षेप मिला तो सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की तरफ से सोमवार को 10वीं कक्षा का अंग्रेजी विषय का पेपर संचालित किया गया।

जिले में 70 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में कड़ी सुरक्षा रही। गोहाना के बरोदा में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर बाहरी हस्तक्षेप की सूचना मिलने पर डीसीपी गोहाना रविंद्र तोमर मौके पर पहुंचे और सात लोगों को गिरफ्तार किया। सभी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं को नकल रहित संचालित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही या बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी एसएचओ, एसीपी, डीसीपी व अन्य अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर लगातार गश्त करते रहे। डॉ. मनोज कुमार, डीसी, सोनीपत

10वीं कक्षा का अंग्रेजी का पेपर

सोनीपत। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त साथ में अन्य अधिकारीगण।

खरखौदा। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते एसडीएम डॉ. निर्मल नागर।

पहले की बैठक, फिर फील्ड में उतरे

डीसी ने परीक्षा में व्यवस्था बनाए रखने की कमान संभाली। उन्होंने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर नकल रोकने के सख्त निर्देश दिए थे, जिसका सोमवार को सभी केंद्रों पर असर नजर आया। डीसी ने जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया के साथ पहले मुरथल गांव स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। यहां मुरथल थाना प्रभारी मौजूद रहे।

कुंडली, खरखौदा का भी दौरा किया

मुरथल के बाद उपायुक्त कुंडली पहुंचे। यहां केंद्र के कुछ कमरों को बाहरी दीवार के पास से दूसरी बिल्डिंग में शिफ्ट करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने खरखौदा कन्या व लड़कों के स्कूल का दौरा किया। यहां भी कन्या स्कूल के कुछ कमरों को बदलने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उपायुक्त ने फरमाना व भठगांव के स्कूलों में बनाए गए केंद्रों का निरीक्षण किया। यहां दीवारों से बाहर खेतों में कुछ युवा खड़े थे। उपायुक्त ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों व केंद्र अधीक्षक को निर्देश दिए कि जो तत्व परीक्षा में बाधा पहुंचाने की कोशिश करे, उनकी वीडियोग्राफी करवाएं और मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करें।

एसडीएम ने खरखौदा क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों का किया दौरा

खरखौदा। खरखौदा क्षेत्र में बोर्ड परीक्षा के दौरान काफी सख्ती दिखाई दी। एसडीएम डॉ निर्मल नागर ने एसएचओ खरखौदा के साथ खरखौदा शहर व फरमाना में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का दौरा किया। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर छह-छह पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा पूरी तरह से शांतिपूर्ण रही। सभी केन्द्र अधीक्षक व ड्यूटी पर नियुक्त शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह नकल मुक्त परीक्षा आयोजित करने में कोई कोताही न बरतें।

गन्नौरः नकल मिली तो ड्यूटी स्टाफ पर होगी कार्रवाई

गन्नौर। एसडीएम प्रवेश कादियान निरीक्षण करते हुए।

गन्नौर। बोर्ड की 10वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस कर्मी मुस्तैद दिखाई दिए। जिस वजह से किसी भी परीक्षा केंद्र पर बाहरी हस्तक्षेप नहीं हो सका। वहीं एसडीएम प्रवेश कादियान व एसीपी मलकीत सिंह ने भी परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जांचा और अधिकारियों व कर्मचारी को सख्त निर्देश दिए। एसडीएम ने चेताया कि परीक्षा के दौरान अगर कही बाहरी हस्तक्षेप मिलता है तो उसके लिए पुलिस कर्मी जिम्मेदार होंगे और परीक्षा केंद्र के अंदर कोई नकल करते पाया व नकल मिले तो ड्यूटी स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परीक्षाओं में बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

सोमवार को एसडीएम अंजली श्रोत्रिय ने अपने कार्यालय में बोर्ड परीक्षाओं को नकल रहित पूर्ण करवाने के लिए अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के बाद उन्होंने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण भी किया। अंजलि श्रोत्रिय ने कहा कि बोर्ड की परीक्षाओं में किसी भी बाहरी शरारती तत्व का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्र के आसपास 200 मीटर की परिधि में पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के इक_ा होने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यदि कोई व्यक्ति या शरारती तत्व आदेशों की पालना नहीं करता तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मुकदमा दर्ज किया जाएगा। एसडीएम ने अधिकारियों को आदेशों का दृढ़ता से पालन करने के निर्देश दिए। सभी बीडीपीओ को भी निर्देश दिए की हर गांव व शहर में मुनादी करवाई जाए ताकि कोई भी बाहरी व्यक्ति परीक्षाओं में कोई बाधा न डाले। इस मौके पर बीडीपीओ परमजीत रंगा, बीडीपीओ अनिल श्योरान, बीडीपीओ जितेंद्र गौड़, बीईओ बसंत ढिल्लों, एसएचओ महिपाल सदर व एसएचओ मोहन कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भावड़ और भैंसवाल अति संवेदनशील

एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय के अनुसार उपमंडल गोहाना क्षेत्र में भावड़-1, भैंसवाल कलां-2(बी-1) परीक्षा केंद्रों को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है। वहीं संवेदनशील श्रेणी में बड़ौदा, चिड़ाना, धनाना, गोहाना-3 राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना बी-1 राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कथूरा बी-1 राज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मोई, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व शामड़ी-2 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर अधिकारी विशेष ध्यान रखें। अगर इन परीक्षा केंद्रों पर बाहरी शरारती तत्वों का हस्तक्षेप बंद नहीं हुआ तो परीक्षा केंद्र तब्दील करके जिला मुख्यालय पर परीक्षाएं करवाने की कार्रवाई की जाएगी।

अखाड़ा संचालक हत्याकांड मामले में दो आरोपित गिरफ्तार, अदालत में पेश

सोनीपत। खरखौदा थाना क्षेत्र के गांव कुंडल में महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित दंगल में अखाड़ा संचालक हत्याकांड मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मनोज निवासी सोहटी व साहिल निवासी महराणा झज्जर का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें सात दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। एसीपी राजपाल सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि गांव सोहटी निवासी चांद सिंह ने 26 फरवरी को खरखौदा थाना पुलिस को बताया था कि उनके भतीजे राकेश राणा हॉल में रोहतक की ओमेक्स सिटी में रहते थे और सोहटी धाम स्थित अखाड़ा के संचालक थे। वह गोहाना के गांव बनवासा में स्कूल व अकादमी भी चलाते थे। राकेश राणा 26 फरवरी को गांव कुंडल में महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित कुश्ती दंगल में बेटे अमृत व अन्य पहलवानों के साथ गए थे। बेटे की कुश्ती देखने के बाद वापस जाने लगे तो एक हजार से अधिक लोगों के सामने बाइक सवार गांव के मनोज व उसके भांजे साहिल ने आकाश की तीन गोली मारकर हत्या कर दी थी। चांद सिंह ने पुलिस को बताया था कि उनका परिवार में चचेरे भाई मनोज के साथ प्लॉट को लेकर विवाद है। जिसमें 15 जुलाई, 2024 को उन्होंने मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें उनका भतीजा राकेश उनकी पैरवी करता था। इसी के चलते उनके भतीजे की हत्या की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था।

सात दिन के रिमांड पर

अब क्राइम यूनिट खरखौदा प्रभारी सत्यवान की टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित मनोज व उनके भांजे साहिल को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को दिल्ली के बवाना बाईपास से गिरफ्तार किया है। अदालत ने आरोपित को सात दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपितों से पूछा कि उन्होंने हत्या किस कारण की है। तब मनोज ने कहा कि वह उन्हें मारने की धमकी देता था।

दो भाइयों में झगड़ाः लात और घूंसे मारकर किया बेहोश

छोटे भाई ने बड़े को उतारा मौत के घाट

चंडीगढ़ से गाजियाबाद ट्रक लेकर जा रहे थे दोनों, पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया

■ अस्पताल में पहुंचने पर चिकित्सक ने किया मृत घोषित

सोनीपत। ढाबे पर खड़ा ट्रक।

सोनीपत। शव को शवगृह में रखते हुए स्वास्थ्य कर्मी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुरथल थाना क्षेत्र में पंजाब हरियाणा हिमाचल ढाबे पर रुके ट्रक में सवार दो भाइयों पर किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। जिसके बाद छोटे भाई ने अपने बड़े भाई को प्राइवेट पार्ट सहित अन्य जगहों पर लात से हमला कर बेहोश कर दिया। उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची मुरथल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शवगृह में रखवाया है। परिजनों को इस संबंध में सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद पुलिस आगामी कार्यवाही शुरू करेगी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि हरियाणा पंजाब हिमाचल ढाबे पर ट्रक लेकर आए दो युवकों ने झगड़ा हो गया है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां एक युवक बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था।

पूछताछ में जानकारी मिली कि मोहाली पंजाब निवासी राजेश और राजू चंडीगढ़ से गाजियाबाद जा रहे थे। राजू (30) ट्रक पर चालक के तौर पर कार्यरत था। जबकि उनके छोटे भाई राजेश क्लीनर के तौर पर काम करता था। दोनों जब जीटी रोड पर मुरथल के पास पहुंचे तो ट्रक रोक लिया। इसके बाद शराब पीने लगे। शराब पीने के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी होगी। जिस पर छोटे भाई राजेश ने राजू को पीटना शुरू कर दिया। आसपास के लोगों ने छुड़ाने का भी प्रयास किया। वह लात-घूंसों से प्राइवेट अंग वार करता रहा। इस दौरान राजू बेसुध होकर गिर गया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां बेसुध राजू को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लेकर पहुंचे। आपातकालीन कक्ष में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपित राजेश को हिरासत में ले लिया

वहीं आरोपित राजेश को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है। उनके आने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कंपनी से सामान चोरी करने की वारदात में शामिल दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राई थाना पुलिस टीम ने कंपनी से सामान चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित संजय निवासी बक्सर, बिहार, शेरसिंह उर्फ शेरा निवासी फिरोजाबाद यूपी का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।सेक्टर-10 ए गुरुग्राम निवासी अमिताभ ने गत एक मार्च को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि उनकी राई औद्योगिक क्षेत्र में कंपनी है। वह कंपनी में बतौर एचआर के तौर पर कार्यरत है। कंपनी में एल्युमिनियम डाई कास्टिंग का कार्य होता है। कंपनी में संजय बिहार जाने वाले सामान की देखरेख करता है। वहीं शेरसिंह यूपी लवकुश ट्रांसपोर्ट का चालक है। करीब छह-सात महीनों से कागजों में सामान कम हो रहा था। गत 27 फरवरी को स्क्रैप खरीदते समय कंपनी में बनने वाले दो पिस्टन पार्ट मिले। जोकि कंपनी से डिस्पेच तक नहीं हुए। मामले को लेकर सीसीटीवी की जांच की। जिसमें दोनों पार्ट कंपनी के मिले। उन्होंने की तो देखा कि 20 फरवरी को संजय ने फैक्टरी के अंदर रखे पार्ट को शेर सिंह के साथ मिलीभगत कर गाड़ी में लोड कर बाहर भेज दिया। जांच में पता लगा कि अब तक करीब 30 टन माल गायब हो चुका है। दोनों पर ही चोरी का शक जताया गया है। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। सिपाही अनिल ने बताया कि दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

हरियाणा सशस्त्र पुलिस और जिला पुलिस की त्रिस्तरीय सुरक्षा

स्ट्रांग रूम पर सीसीटीवी से नजर दिनरात कड़ी ड्यूटी दे रहे जवान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम के मेयर प्रत्याशियों व खरखौदा में नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षदों का भविष्य ईवीएम में बंद हो चुका है। मतदान संपन्न होने के बाद ईवीएम को हरियाणा सशस्त्र पुलिस (एचएपी) और जिला पुलिस के त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है।

सोनीपत नगर निगम चुनाव में प्रयोग की गई ईवीएम मोहाना स्थित बिट्स कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखवाई गई हैं तो खरखौदा नगरपालिका चुनाव की ईवीएम कन्य महाविद्यालय, खरखौदा में रखी गई हैं। रविवार को सोनीपत नगर निगम के चुनाव के बाद कड़े सुरक्षा घेरे में ईवीएम को मोहाना स्थित बिट्स कॉलेज में रखवाया गया। पुलिस ने निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्ट्रांग रूम तैयार किए हैं। स्ट्रांग रूम में ईवीएम को रखने के बाद कमरे सील कर दिए गए। सभी स्ट्रांग रूम को डबल लॉक किया गया। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। रूम के परिसर तक आने और जाने वालों के लिए लॉग बुक लगाई गई है, जिसमें उनकी उपस्थिति दर्ज की जाएगी। रविवार को मतदान संपन्न होने के बाद सभी ईवीएम गाड़ियों में स्ट्रांग रूम तक पहुंचाई गई थी। वहीं खरखौदा में भी नगरपालिका अध्यक्ष व पार्षदों का चुनाव संपन्न होने के बाद ईवीएम कन्या महाविद्यालय में रखवा दी गई है।

सोनीपत। ईवीएम की फाइल फोटो।

मोहाना में 45 व खरखौदा में 51 कर्मी किए गए तैनात

बिट्स में बनाए गए स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर 45 कर्मी तैनात किए गए हैं। त्रिस्तरीय घेरा बनाया गया है। पहले घेरे में एचएपी के जवानों को नियुक्त किया गया है। दूसरे व तीसरे घेरे में पुलिस व एचएपी के जवान तैनात किए गए हैं। मुख्य गेट पर कर्मी तैनात है। वहीं खरखौदा में भी तीन लेयर में 51 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

12 को मेयर, नपा अध्यक्ष व पार्षद के भाग्य का फैसला होगा

मतगणना केंद्र के बाहर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए है। जवानों के साथ ही गेट पर सीसीटीवी कैमरों से पैनी नजर रखी जा रही है। यह ईवीएम 12 मार्च को नगर निगम के मेयर व खरखौदा नपा अध्यक्ष व पार्षद प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगी।

तीन इवेंट में जीती टीमें सोनीपत पहुंची, स्वागत

सोनीपत। 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप 23 से 26 फरवरी तक आयोजित की गई। इसमें पुरूष वर्ग की टीम ने गोल्ड मेडल और महिला वर्ग की टीम ने ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। वहीं इससे पहले थर्ड फास्ट फाइव जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप जोकि 26 से 28 फरवरी तक आयोजित हुए उसमें पुरुष और महिला वर्ग की दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। हरियाणा फास्ट फाइव टीम की कप्तान मुस्कान डागर जोकि सोनीपत की रहने वाली है और तीनों इवेंट में मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई। पहली जूनियर मिक्सड नेटबॉल चैंपियनशिप जो कि एक मार्च से दो मार्च तक आयोजित हुए। मिक्सड में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। नेटबॉल के तीनों इवेंटो में जीत हासिल हुई।

पुरूष वर्ग में सोनीपत के देव डागर की गोल्ड मेडल दिलाने में अहम भागीदारी रही। हरियाणा नेटबॉल की तीनों इवेंट की उपलब्धि पर हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता और नेटबॉल फेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल विजेंद्र दहिया व चंडीगढ़ के प्रेजिडेंट विकास शर्मा मौजूद रहे। खिलाड़ियों का सोनीपत पहुंचने पर उनके अभिभावकों बिजेंद्र, सुदेश, संदीप, स्वीटी, बिजेंद्र, राजपाल, वीरेंद्र, ओमप्रकाश दहिया ने व उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने स्वागत किया।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि सहेली

रोहतक, मंगलवार 4 मार्च 2025

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

सलाह

संध्या सिंह

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी बनें डिजिटल एक्सपर्ट

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलाएं सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

खबर संक्षेप

श्रीखाटू श्याम भक्तों ने निकाली निशान यात्र

खरखौदा। शहर में उस समय भक्ति और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला, जब श्री खाटू श्याम मंदिर से भव्य निशान यात्रा निकाली गई। इस दौरान श्याम भक्तों ने पूरे जोश और उमंग के साथ भगवान श्री खाटू श्याम के जयकारे लगाए। खरखौदा में आयोजित इस निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई।

अवैध कालोनी में निर्माणों पर चला पीला पंजा

गन्नौर। जिला नगर योजनाकार की टीम ने सोमवार को राजलू गढ़ी रॉड पर पनप रही अवैध कालोनी में कार्रवाई करते हुए पीला पंजा चलाया और अवैध निर्माण को ढहा दिया। डीटीपी के आदेश विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और अवैध रूप से भरी प्लाटों की नींव को गिराना शुरू कर दिया। इस दौरान टीम ने 5 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कालोनी में बनाई गई 12 डीपीसी, कच्चे रास्ते व नाले पर बन रहे रास्ते को जेसीबी की मदद से ध्वस्त करवा दिया। जिला नगर योजनाकार अजमेर सिंह ने बताया कि राजलू गढ़ी रॉडवपर सिथत जमीन में बिना अनुमति के अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी।

दो छात्राओं का ब्रिटिश टेलिकॉम में चयन

सोनीपत। जीवीएम की दो छात्राओं का ब्रिटिश टेलिकॉम कंपनी ने चयन किया है। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने चयनित छात्राओं को बधाई दी है। प्राध्यापिका मोनिका ने बताया कि ब्रिटिश टेलिकॉम कंपनी ने कैंपस इंटरव्यू के माध्यम से कालेज की दो छात्राओं को कंपनी में जॉब ऑफर की है। इसके लिए कंपनी नेपहले एप्टिट्यूट टेस्ट तथ एसवीएआर टेस्ट लिए। अंत में वर्चुअल इंटरव्यू लिया, जिसमें दो छात्राओं का चयन किया गया। चयनित छात्राओं में बीकॉम ऑनर्स अंतिम वर्ष की तान्या और बीए अंतिम वर्ष की आंचल शामिल हैं, जिन्हें ट्रेनिंग एसोसिएट के पदों पर नियुक्ति मिली है।

सनपेड़ाः 50 लाख से बन रहा नया पंचायत भवन

गन्नौर। पंचायत विभाग द्वारा सनपेड़ा गांव में नया पंचायत भवन बनाया जा रहा है। इसके निर्माण पर विभाग करीब 50 लाख रुपये खर्च आएगा। लंबे समय से पंचायत भवन की जर्जर स्थिति के कारण ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब नए भवन के निर्माण से पंचायत से जुड़े कार्य सुचारू रूप से हो सकेंगे। नए पंचायत भवन में आधुनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा। इसमें एक बड़ा कान्फ्रेंस हाल बनाया गया है, जहां पंचायत की बैठकें व सरकारी योजनाओं की समीक्षा बैठकें होंगी। सरपंच, ग्राम सचिव और अन्य पंचायत सदस्यों के लिए अलग-अलग कमरे और हाल बनाए गए हैं।

गन्नौर ब्लॉक : सर्वसम्मति से मीना प्रधान, सुमन सचिव, कविता कोषाध्यक्ष बनीं

आशा वर्कर्स सात को विधायकों सांसदों के आवास पर करेंगी प्रदर्शन

ब्लॉक की कमेटी ने चुनाव करके मीना को प्रधान और सुमन को सचिव कविता को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष बनाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। लहरी सिंह पार्क में मीना की अध्यक्षता में अपनी मांगो को लेकर बैठक के बाद एकजुटता दिखाते हुए ।

आशा वर्कर्स यूनियन गन्नौर ब्लॉक की जनरल बॉडी मीटिंग लहरी सिंह पार्क में मीना की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में उपस्थित तमाम आशा वर्कर्स ने अपनी ब्लॉक की कमेटी, चुनाव करके मीना को प्रधान और सुमन को सचिव कविता को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष बनाया। आशा वर्कर्स यूनियन की जिला सचिव छवि, सुमन राज्य की महासचिव सुनीता भी शामिल हुई। मीटिंग में आशा वर्कर्स मीना ने बताया कि आशा वर्कर्स को मिलने वाली प्रोत्साहन राशियों में सरकार चालबाजी करके कटौती करना चाहती है, कुछ दिन पहले स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा वर्कर्स को मिलने वाली प्रोत्साहन राशियों को रोकने के आदेश दिए गए हैं। सरकार का कहना है कि जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को प्रसव होने के बाद कुछ सहायता राशि दी जाती है वह राशी लाभार्थी महिलाओं तक नहीं पहुंच रही है जिसका कारण सरकार आशा वर्कर्स को जिम्मेदार ठहरा रही है। जबकि सरकार का ऐसा करना गलत है। जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को मिलने वाला पैसा सरकार जानबूझकर उनको नहीं देती है। आशा वर्कर यूनियन आम लोगों को बताना चाहती है कि सरकार केवल योजनाओं की घोषणा करके राजनीतिक लाभ उठा रही है। 2022 के बाद सरकार द्वारा इस योजना के पैसे का भुगतान नहीं किया गया है। सरकार द्वारा कागज पूरे करने की जो शर्तें लगाई गई है वह गर्भवती लाभार्थी महिलाएं पूरी नहीं कर सकती हैं।

शर्तें बनीं बाधा

सरकार द्वारा लगाई गई शर्तों की वजह से इस पैसे के भुगतान में समस्याएं आ रही है। सरकार ने जानबूझकर इतनी शर्तें लगाई है ताकि वह पूरी न की जा सके और आशा वर्कर्स यूनियन सरकार की चाल बाजी को जनता को बताते हुए आने वाले समय में आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर्स यूनियन सरकार से मांग करती है कि गर्भवती महिलाओं को जननी सुरक्षा योजना का लाभ महिलाओं तक पहुंचने के लिए इसकी शर्तों में कम से काम कागजों का आधार बनाया बनाऐ और समय पर पैसे का भुगतान करे ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सके और सरकार से यह भी मांग करती है कि आशा वर्कर्स के जननी सुरक्षा योजना के प्रोत्साहन राशियों पर जो रोक लगाई है, उसे तुरंत हटाया जाए और आशा वर्कर की मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए, यूनियन से वार्ता करके समसया का समाधान करे। अगर जल्द ही सरकार द्वारा समाधान नहीं किया गया तो आशा वर्कर्स आंदोलन को मजबूर होगी जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की होगी । उन्होंने कहा कि 7 मार्च को सीटू से संबंधित सभी यूनियन सोनीपत सांसद और विधायक के आवास पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे ।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने सोमवार को अपने कार्यालय में जनता दरबार में लोगों की समस्या सुनते हुए ।

विधायक ने सुनीं समस्याएं अधिकारियों को निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

विधायक देवेंद्र कादियान ने सोमवार को अपने कार्यालय में जनता दरबार लगाया। क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं। समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। सनपेड़ा गांव के सरपंच प्रमोद ढाका ने गन्नौर जीटी रोड से उनके गांव सनपेड़ा को जाने वाले सड़क का निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की। विधायक ने पीडब्ल्यूडी के एसडीओ को शीघ्र सड़क का निर्माण कार्य पूरा करने के आदेश दिए। शहर वार्ड 14 के रजनीश सिंह ने बताया कि उनके मोहल्ले में तीन महीने से गंदा पानी आ रहा है। जल विभाग में कई बार शिकायत की, लेकिन समाधान नहीं हुआ। पीने के लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। कपड़े धोने के लिए दूसरे मोहल्ले से पानी लाना पड़ता है। विधायक ने पब्लिक हेल्थ विभाग के जेई को फोन कर तुरंत समाधान करने और स्वच्छ जल की वीडियो भेजने को कहा। जेई ने भरोसा दिया कि मंगलवार तक समस्या हल कर दी जाएगी। टेहा गांव के पात्र लोगों ने पंचायती प्लॉट 50 से 100 वर्ग गज देने की मांग की। उद्देशीपुर गांव की 50 महिलाओं ने मनरेगा में काम दिलाने की गुहार लगाई। विधायक ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि महिलाओं को काम दिलाया जाए। विधायक ने कहा कि हर सोमवार जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते हैं। अधिकतर समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाता है। बाकी के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा और क्षेत्र का विकास ही उनकी प्राथमिकता है।

पांच साल की बच्ची को तेज रफ्तार ट्राला ने चपेट में लिया मौत

सोनीपत। कुंडली थाना क्षेत्र के गांव नाथूपुर मार्केट में सब्जी लेने आए परिजनों संग आई पांच साल की बच्ची को ट्राला ने अपने चपेट में ले लिया। हादसे में घायल हुई बच्ची को उपचार के लिए दिल्ली के अस्पताल में लेकर जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में ट्राला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोरोकला हरदोई हाल में गांव नाथपुर निवासी सुधीर ने बताया कि वह रविवार देर शाम नाथूपुर मार्केट में सब्जी लेने परिवार के सदस्यों के साथ आया था। उसके साथ उसका भाई हरिपाल, पत्नी सुमी देवी, बेटा शिवा व बेटी गुड़िया (5) भी थी। वह मार्केट में एक चूड़ियों की दुकान के सामने खड़े थे। तभी सबौली गांव की तरफ से आए ट्राला चालक ने उनकी बेटी गुड़ियां को चपेट में ले लिया। हादसे में उनकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। वह अपनी बेटी को तुरंत दिल्ली के नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी बेटी की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दिल्ली के जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवनदास अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

घर से आभूषण व रुपये चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सिविल लाइन पुलिस टीम ने घर से आभूषण व रुपये चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित प्रिंस निवासी टीला शामली यूपी का है। जिसे अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। यूपी हाल पटेल नगर निवासी बसंत ने आठ फरवरी को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि गत सात जनवरी को अपने परिवार सहित अपने गांव चंद्रवती वाराणसी यूपी चला गया। उसके लड़के पवन के पास उसके दोस्त महेश का फोन आया। उसके घर का मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जाकर सामान की जांच की तो कमरे के अंदर का सामान बैड, संदूक व अलमारी का सामान बिखरा हुआ पाया। सामान की जांच की तो घर से मंगलसूत्र आठ ग्राम, सोने की चैन करीब एक तोला, कान के झुमके 9 ग्राम, लड़के की चेन आठ ग्राम साथ में एक ग्राम का लॉकेट, चांदी की पायल नौ तोले, पैर की पांच बिछिया, लड़के के हाथ के कड़े चांदी के चार तोले, नोटों की माला करीब पांच हजार, चांदी के आभूषण व 12 हजार रुपये की राशि गायब मिली। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया।

पीसा परीक्षा देंगे विद्यार्थी किया जाएगा आंकलन

सोनीपत। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए, ऋषिकुल विद्यापीठ, सोनीपत शहर का पहला विद्यालय बन गया है जिसने पीसा (प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट असेस्मेंट) परीक्षा के लिए आधिकारिक रूप से सहयोग किया है। इस अनोखी पहल में विद्यालय के विद्यार्थी इस अंतरराष्ट्रीय परीक्षा में लाभान्वित होंगे। पीसा परीक्षा, जो विश्वभर में शिक्षा की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए जानी जाती है, विद्यार्थियों की गणित, विज्ञान और पठन क्षमता का मूल्यांकन करती है। इस परीक्षा में भाग लेकर ऋषिकुल विद्यापीठ के छात्रों को अपनी शैक्षणिक योग्यता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखने का सुअवसर मिलेगा। विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने इस पहल पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह परीक्षा छात्रों के बौद्धिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए उन्हें तैयार करने में सहायक होगी। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा ने शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को इस महत्वपूर्ण कदम के लिए बधाई दी और विश्वास जताया कि यह अनुभव बच्चों के शैक्षणिक सफर में मील का पत्थर साबित होगा। डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने बताया कि इससे विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास होगा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं का बेहतरीन परिणाम प्राप्ति में सहायक होगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य उमेश शर्मा ने बताया कि इस ऐतिहासिक कदम से ऋषिकुल विद्यापीठ ने सोनीपत को शिक्षा के वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाने की ओर कदम बढ़ाया है।

स्वास्थ्य और जीवन में योग का महत्व बताया

योग शिविर के दौरान योग करतीं छात्राएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

टीका राम शिक्षा महाविद्यालय में दो दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर टीका राम कन्या महाविद्यालय की योग प्राध्यापिका डॉ. अलका दहिया के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा ने दीप प्रज्वलित कर किया। महाविद्यालय की योग क्लब प्रभारी डॉ. अंजलि ने बताया कि योग प्राध्यापिका ने शुरुआत में योग का स्वास्थ्य एवं जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ब्रह्म मुहूर्त में आसान योग क्रिया, सूर्य नमस्कार तथा विभिन्न योगासनों को करने की उपयोगिता के बारे में बताया। योगाचार्या ने सूर्य नमस्कार में सम्मिलित विभिन्न 12 सूक्ष्म आसनों को पहले अलग-अलग कर अभ्यास करवाया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भाजपा अपने एक-एक वायदे को पूरा करेगी : ओमवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

- निकाय चुनाव में खिलेगा भाजपा का कमल, विकास की गति होगी तेज

भाजपा जिला सोनीपत इकाई के सचिव ओमवीर वत्स ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में सत्ता में आने के बाद मात्र सौ दिन में 18 घोषणाओं को पूरा कर दिया। भाजपा ने लोगों से जो वायदे हैं उन सभी को पूरा किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी की तरह भाजपा कभी झूठी घोषणाएं नहीं करती। यही कारण है कि निकाय चुनाव में भी भाजपा का कमल खिलेगा और प्रदेश में विकास को और गति मिलेगी।

जिला सचिव ओमवीर वत्स ने कहा कि आज भाजपा महिलाओं को मात्र 5 सौ रुपये में गैस सिलेंडर दे रही है। करीब 15 लाख महिलाएं आज भाजपा की इस योजना का लाभ उठा रही हैं। ओमवीर ने कहा कि भाजपा ने हर वर्ग के उत्थान के लिए नई योजनाएं बनाई हैं। इन्हीं योजनाओं में एक योजना पट्टेदार किसानों को जमीन का मालिकाना हक देने का है। भाजपा सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत महिलाओं को जल्द ही 21 सौ रुपये प्रतिमाह मिलने शुरू हो जाएंगे। ओमवीर वत्स पहले दो बार भाजपा मुंडलाना मंडल के अध्यक्ष और एक बार युवा जिला महामंत्री रह चुके हैं।

रक्षा अध्ययन का संबंध समाज से जुड़ा, अर्थशास्त्र इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान से भी : योगेश

आत्म रक्षा पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए मुख्य वक्ता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

कन्या कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. प्रमिला की अध्यक्षता में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमिला ने किया। शिविर 3 से 9 मार्च तक कन्या कॉलेज द्वारा गोद लिए हुए गांव आनंदपुर झरोठ में आयोजित किया जाएगा। पहले दिन स्वयं सेविकाओं का रजिस्ट्रेशन करके यूनिट 2 की स्वयं सेविकाओं को कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रमिला ने राष्ट्रीय सेवा योजना और स्वयंसेवकों के समाज में योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रथम दिन आत्मरक्षा पर एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। शहीद दलबीर सिंह कॉलेज पिपली से रक्षा अध्ययन विषय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश बाजवान ने कहा कि डिफेंस स्टडी का संबंध समाज, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान आदि सभी विषयों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने महिलाओं को भी आत्मरक्षा कैसे करनी चाहिए, महिलाएं सशक्त कब कहलाएंगी।

नशे के विरोध नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया

सोनीपत। सीआरए महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने तिहाड़ गांव में कैंप लगाया। स्वयंसेवकों द्वारा तिहाड़ गांव की चौपाल, चौक चौराहों व गलियों में नशे के विरुद्ध व मतदान में शराब के लालच में आकर मतदान करने के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रो. विराग रोहिल्ला (हिन्दू इंजिनियरिंग कॉलेज सोनीपत) द्वारा आपदा प्रबंधन पर व डॉ. चैरी (हिन्दू इंजिनियरिंग कॉलेज, सोनीपत) द्वारा सड़क सुरक्षा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. ऊषा दहिया (एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर) द्वारा ग्रामवासियों को संबोधित किया गया जिसमें उन्होंने एनएसएस शिविर के सामाजिक कल्याणकारी उद्देश्यों का वर्णन किया। तिहाड़ गांव के सरपंच सुमेर सिंह द्वारा स्वयंसेवकों को सम्बोधित किया और स्वयंसेवकों के कार्य की सराहना की। डॉ. अनीता (सेवानिवृत्त टीकाराम महिला महाविद्यालय) द्वारा मेडिटेशन का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर डॉ. ऊषा दहिया, डॉ. अभिमन्यु सिंह मलिक, डॉ. निधि, प्रो. सुप्रिया, प्रो .ज्योति, प्रो. प्रीति, प्रो. विक्रम तुषीर, जयदेव मलिक, मुकेश दहिया, रामगणेश, सतीश आदि उपस्थित रहे।

अंग्रेजी टीचर्स एसोसिएशन ने की बैठक

- डीन डॉ. रविभूषण ने कक्षा में भाषा के शिक्षण व प्रासंगिता का बताया महत्व, प्राचार्य ने किया अतिथियों का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। बैठक में उपस्थित इंग्लिश टीचर।

सोनीपत इंग्लिश लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन (सेल्टा) की एक बैठक सोमवार को आयोजित की गई। जिसमें शहर के अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य के प्रमुख शिक्षकों एवं प्रोफेसरों ने भाग लिया। इनमें प्राचार्या डॉ. विपाशा अग्रवाल और डॉ. गीतांजलि ग्रोवर, पूर्व डीन प्रो. जगदीश बत्रा और प्रिंसिपल डॉ. सरोज मलिक, एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एनके सैनी, डा. ज्योतिराज प्रमुख रूप से मौजूद रहे। मुख्य वक्ता के रूप में वर्तमान में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में डीन डॉ. रविभूषण ने भाषा, साहित्य इंटर फ़ेस विषय पर विस्तार से बात की, जिसमें उन्होंने कक्षा में भाषा के शिक्षण और उसमें साहित्य की प्रासंगिकता से संबंधित विभिन्न मुद्दों और तरीकों पर बात की। उन्होंने छात्रों को मौलिकता और अभिव्यक्ति के क्रम परिवर्तन के आधार पर चार श्रेणियों में विभाजित किया। गुरुकुल प्रणाली और डीओजीएमई जैसी अवधारणाओं का उल्लेख करते हुए, उन्होंने "विकास" (व्यावसायिक, बौद्धिक, सांस्कृतिक, सौंदर्य और सामाजिक) के रूप में ग्रंथों के मूल्यांकन के मापदंडों पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। अपनी दलीलें खत्म करने से पहले उन्होंने डिजिटल मानविकी का भी जिक्र किया। व्याख्यान के बाद सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक चर्चा में भाग लिया।

हिंदू कॉलेज में राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

क्विज में निधि, रिया व विधि की टीमें प्रथम

- प्रतियोगिता में शामिल हुई 9 में से क्विज प्रतियोगिता के लिए चुनी पांच टीमें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। हिंदू कॉलेज में प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

हिंदू कॉलेज के प्रांगण में राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कल 9 टीमों ने भाग लिया जिनमें से पांच टीम क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चुनी गई। इस अवसर पर टीकाराम कॉलेज सोनीपत की विद्यार्थी निधि, रिया और विधि ने प्रथम, हिंदू कॉलेज सोनीपत की टीम दीपेश शिवम और राहुल ने द्वितीय तथा हिंदू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत की टीम श्वेता अंजलि और अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस मौके पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. विशाल शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा इतिहास विभाग के प्राध्यापकों डॉ. अजय कुमार, डॉ. मनीष, डॉ. मीनू और सरिता ने तथा कंप्यूटर विभाग के अजय शर्मा, डॉ. कपिल गुप्ता और गणित विभाग की डॉ. सविता ने कार्यक्रम के संयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राचार्य प्रोफेसर अर्चना गुप्ता और डॉ. अरुण गौड़ उप प्राचार्य ने प्रतिभागियों को बधाई दी।

कोलाज मेकिंग में हर्षिता रही प्रथम

सोनीपत। टीकाराम कन्या महाविद्यालय में रसायन विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय ग्रीन कैमिस्ट्री रहा। जिसमें हर्षिता बीएससी तृतीय वर्ष ने प्रथम, भावना बीएससी द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा शीतल एमएससी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्या गीता एवं रसायन विभाग से डॉ. दिव्या प्रभा, डॉ. मोनिका, मनीता एवं मोनिका ठाकुर उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

गोहाना। शिविर में रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए अतिथि एवं आयोजक। फोटो : हरिभूमि

भाग राम ट्रस्ट के शिविर में 46 ने किया रक्तदान

गोहाना। भाग राम ट्रस्ट के साप्ताहिक शिविर में सोमवार को 46 लोगों ने रक्तदान का पुण्य बटोरा। हर सप्ताह की भांति यह शिविर शहर में सोनीपत मार्ग टी प्वाइंट पर भगवान परशुराम चौक में आयोजित किया गया।

रक्तदान शिविर के मुख्य अतिथि सीए राजेश भारद्वाज थे। सीए ने 10वीं बार रक्तदान करके शिविर का शुभारंभ किया। शिविर की अध्यक्षता ट्रस्ट की अध्यक्ष उषा गगनेजा ने की जबकि संयोजन रमेश मेहता और सेवा सिंह ढुल का रहा। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं स्टार रक्तदाता सुरेंद्र विश्वास ने शिविर में रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। साप्ताहिक शिविर में विशेष रक्तदाताओं में दो सगे भाई अमित और अंकित शामिल रहे। सीए राजेश भारद्वाज ने कहा कि हमें हर शुभ अवसर पर रक्तदान कर पुण्य कमाना चाहिए। नियमित रक्तदाताओं में सोनू, अनुज, रोशन कुमार, अमित, विकास, राकेश, राकेश कुमार, प्रतीक नैन, नरेंद्र, गौतम और जितेंद्र ने रक्तदान का पुण्य बटोरा। शिविर में अमन, प्रदीप पांचाल, अक्षय और रितिक ने पहली बार रक्तदान किया।

नियमों की अनदेखी, गली में मिट्टी डालकर बिछा दी टाइलें

खेड़ी गुज्जर गांव में उड़ती धूल से लोग परेशान, नीचे डालना होता है पत्थर

गन्नौर। बिना मेंटेरियल डालें मिट्टी में ही टाइल लगाते हुए मजदूर व नई बनाई इंटरलॉकिंग टाइल की गली में रेत की जगह डाली हुई मिट्टी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

■ इंटरलॉकिंग टाइल लगाने से पहले गली की चौड़ाई के हिसाब से नीचे पत्थर डालना होता है और उसके बाद थोड़ी सी मिट्टी डालकर इंटरलॉकिंग टाइलें लगाई जाती हैं, ग्रामीणों में रोष

खेड़ी गुज्जर गांव में नियमों की अवेहलना कर सरकार द्वारा निर्धारित इंटरलॉकिंग टाइल लगाने से पूर्व बिना मटेरियल डालें केवल मिट्टी पर इंटरलॉकिंग टाइल बिछाकर गली निर्माण करवाए जाने से ग्रामीणों में रोष है।

वही इंटरलॉकिंग टाइल लगाकर जिस गली का निर्माण कार्य कर दिया है उसे गली में भी जहां इंटरलॉकिंग टाइलों के ऊपर जहां रेत डालना था वहां मिट्टी डाल दी गई। मिट्टी डालने के कारण उड़ती धूल से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वही जब नियमों की अवेहलना कर गली निर्माण को लेकर पंचायत विभाग के अधिकारियों से बात की तो उन्होंने कहा कि जहां तक है यह काम पंचायत द्वारा करवाया जा रहा है। इसमें पंचायत विभाग की तरफ से टेंडर नहीं हुआ है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इंटरलॉकिंग टाइल लगाने से पहले गली की चौड़ाई के हिसाब से नीचे पत्थर डालना होता है और उसके बाद थोड़ी सी मिट्टी डालकर इंटरलॉकिंग टाइल लगानी होती हैं। अगर गली ज्यादा चौड़ी नहीं है तो उसमें कम मटेरियल डालकर टाइल लगाई जानी चाहिए।

करवाएंगे जांच : एसडीओ

इस बारे में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में तैनात एसडीओ विपुल ने बताया कि यह काम शायद पंचायत करवा रही है विभाग की तरफ से टेंडर नहीं लगाया गया है। इंटर नॉकिंग डायले लगाने से पूर्व नीचे मटेरियल डालना होता है अगर ऐसा किया गया है तो वह उसको ठीक करवाएंगे और कार्रवाई की जाएगी।

सोनीपत। कार्यशाला के दौरान उपस्थित छात्र व छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

क्लाउड कंप्यूटिंग वर्कशॉप का छात्रों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गेटवे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा बीटेक द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए एक क्लाउड कंप्यूटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का संचालन एनएस 3 ईडीयू टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों को क्लाउड तकनीकों में हाथों-हाथ अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। इस कार्यशाला में एडब्लूएस (एमाज़ॉन वेब सर्विसेज) की प्रमुख सेवाओं जैसे ईसी 2, एस 3, लैम्ब्डा, और आईएएम पर विस्तृत जानकारी दी गई। इन सेवाओं के माध्यम से छात्रों को क्लाउड कंप्यूटिंग के विभिन्न पहलुओं को समझने और उन्हें लागू करने का वास्तविक अनुभव मिला। वर्कशॉप में छात्रों को क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेटा स्टोरिज, सर्विसेज और सुरक्षा उपायों के बारे में गहराई से बताया गया। कार्यशाला का सफलतापूर्वक समन्वय रचना धाका और हेमा अरोड़ा द्वारा किया गया। इसके अलावा, यह कार्यक्रम कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रमुख अनिल अरोड़ा के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

रोटरी क्लब सेंट्रल के पूर्व प्रधान सतीश चौधरी का निधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रोटरी क्लब सेंट्रल के पूर्व प्रधान एवं समाजसेवी सतीश चौधरी का हृद्यघात होने से 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन के बाद उनके स्वजन की अनुमति से सोनीपत आरोग्य चिकित्सा केंद्र से आई चिकित्सकों की टीम ने उनके नेत्रदान करवाए। नेत्रदान के बाद उनका गन्नौर शिव मुक्ति धाम में अंतिम संस्कार किया गया। सतीश चौधरी हाल में रोटरी क्लब सेंट्रल के सचिव पद पर काम संभाल रहे थे। वह राष्ट्रीय क्रिकेट में स्कोरर भी रह चुके हैं। उनके निधन से शहर में शोक की लहर है।

राई। राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत खुला दरबार लगाकर समस्याओं की सुनवाई करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विधायक कृष्णा गहलावत ने खुला दरबार लगाकर सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई हलका विधायक एवं पूर्व मंत्री कृष्णा गहलावत ने सोमवार को अपने कार्यालय में खुला दरबार लगाकर राईवासियों की समस्याओं की सुनवाई की। उन्होंने कहा कि वे राई हलका और राईवासियों की समस्याओं के समाधान तथा मांगों को पूरा करवाने के लिए चौबीस घंटे उपलब्ध हैं। प्राथमिकता के आधार पर हलकावासियों की समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा।

विधायक ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए कड़े निर्देश दिए। प्रमुख तौर पर गांव जोशी चौहान के ग्रामीणों ने गांव में अंबेडकर भवन के निर्माण तथा बिंदरौलीवासियों ने ग्रीन पार्क के निर्माण की मांग रखी। विधायक ने इन दोनों मांगों को पूर्ण करवाने का आश्वासन देते हुए एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही नांगल कलां में बीपीएल प्लाटों के विषय में ग्रामीण महावीर ने मांग रखी जिसे पूरा करवाने का उन्हें भरोसा दिया। कमासपुर के ग्रामीणों को भी उनकी समस्या का समाधान मिला। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि राईवासियों की समस्याओं व मांगों के प्रति वे स्वयं संवेदनशील हैं। उनके संज्ञान में जो भी समस्या आती है उसके समाधान के लिए वे खुद प्रयास करती हैं। विकास को नये आयाम दिये जा रहे हैं। विकास के मामले में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति तथा ग्रामीण मौजूद थे। इनमें मुख्य रूप से प्रमोद, रामबीर, हंसराज, तहार सिंह चौहान, छोटू चौहान, भूपेंद्र, बाल किशन, सुनील, निरंजन, संदीप, दीपक मुकीमपुर, नरेंद्र खेवड़ा, नीरज, रणबीर, राजेंद्र सिंह, धर्मेंद्र चौहान आदि शामिल थे।

मैनुअल स्कैवेंजिंग से संबंधित कोई भी दुर्घटना हुई तो होगी कारवाई

■ मैनुअल स्कैवेंजिंग को लेकर डीसी की अध्यक्षता में बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में मैनुअल स्कैवेंजिंग से संबंधित समस्याओं को खत्म करने के लिए सोमवार को उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के प्रथम तल पर अधिकारीयों की मिंटिग हुई। जिसमें उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि मैनुअल स्कैवेजिंग से संबंधित किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उपायुक्त ने बताया कि मैनुअल स्कैवंजिंग एक शब्द है जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से भारत में अस्वच्छ शौचालय या खुली नाली या सीवर या सेप्टिक टैंक या गड्डे में मानव मल को हाथ स साफ करने, ले जाने, निपटाने या अन्यथा संभालने के लिये किया जाता है। मैनअुल स्कैवेंजिंग के दौरान सभी प्रकार की सावधानी रखी जाए। किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी व कंपनी मालिको के खिलाफ कारवाई की जाएगी। सभी संबंधित विभाग जैसे एचआईडीसी, एचएसवीपी, बीडीपीओ, एमसी आदि विभागों को जरूरत पड़ी तो प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि जिले में मैनुअल स्कैवेंजिंग को पूरी तरह से खत्म करना। इस मौके पर डीसीपी नरेंद्र सिंह, नगराधीश डॉ. अनमोल, डीडीपीओ जितेन्द्र सिंह, एक्सीएन पब्लिक हैल्थ मौहम्मद आशिक व संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एसीपी से रेलवे और गुमड़ रोड फ्लाईओवर पर लगने वाले जाम के समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

■ गन्नौर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने पर एसीपी की कार्य प्रणाली की सराहना

गन्नौर। एसीपी मलकीत सिंह से किसान नेता विरेंद्र पहल व मज़दूर यूनियन ज़िला उपाध्यक्ष आशु चौहान मुलाकात करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भारतीय किसान मज़दूर यूनियन प्रदेश महासचिव विरेंद्र पहल व भारतीय किसान मज़दूर यूनियन ज़िला उपाध्यक्ष आशु चौहान ने सोमवार को गन्नौर के एसीपी मलकीत सिंह से मुलाकात कर शहर के रेलवे रोड व गुमड़ रोड रेलवे फ्लाईओवर पर लगने वाले जाम के बारे में अवगत करवाते हुए समाधान की मांग की। इसके अलावा गन्नौर में एसीपी मलकीत के कार्यभार संभालने के बाद शहर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की भी सराहना की। भारतीय किसान मज़दूर यूनियन प्रदेश महासचिव विरेंद्र पहल ने मुलाकात के बाद बताया कि शहर में जाम लगे की समस्याओं से निजात पाने के लिए आम जनता व दुकानदारों का सहयोग जरूरी है जब वह मिलकर पुलिस का इस कार्य में सहयोग करेंगे तो आम जनता को पूरी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था में भी पुलिस को जनता के सहयोग की जरूरत होती है।

योग करने से बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता : डॉ. विनोद

गोहाना। राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना में सोमवार को एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेविकाओं को विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सतीश कुमार ने की। संयुक्त संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सीमा देवी और प्रवीन देवी का रहा। कार्यक्रम में शहर के नागरिक अस्पताल से आयुष अधिकारी डॉ. विनोद कुमार ने स्वयंसेविकाओं को आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली की जानकारी देने के साथ योग करने के लाभ बताए। डॉ. विनोद ने कहा कि आजीवन स्वस्थ रहने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। नियमित रूप से योगाभ्यास करने से शरीर में लचीलापन आता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

35 साल बाद राजबीर सिंह सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान व प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल से पैंतीस वर्ष की लम्बी अवधि के सेवाकाल के बाद प्रो. राजबीर सिंह सेवानिवृत हो गए। प्रबंधन अध्ययन विभाग के तौर पर कार्यरत प्रो. राजबीर सिंह को प्रबंधन विभाग व डीक्रूटा की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में चेयरमैन व डीन प्रोफेसर महापात्रा ने बताया कि प्रो. राजबीर सिंह ने अपने सेवाकाल में विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों यथा विभाग के चेयरमैन, डीन फैकल्टी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, चीफ वार्डन बॉयज हॉस्टल्स, प्रोक्टर, सिक्योरिटी हेड आदि पर कार्य किया। उन्होंने व्यवस्था में अमूल चूक परिवर्तन की मंशा रखते हुए सुधार के लिए कई नयी पहल की और अपने प्रयोगों में सफल रहे। चीफ वार्डन रहते हुए उन्होंने छात्रों का नशा छुड़ाने के सराहनीय प्रयास किए। अटेंडेंस सिस्टम में सुधार किया। विश्वविद्यालय में होमगार्ड सिक्योरिटी लाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। प्रो. अनिल खुराना ने बताया कि प्रो. राजबीर के मार्गदर्शन में विभाग ने कई सरकारी कन्सल्टेंसी प्रोजेक्ट्स पर कार्य किया व यूनिवर्सिटी को करोड़ों रुपये का आय स्रोत उपलब्ध कराया। डीक्रस्ट को महाविद्यालय से विश्वविद्यालय बनाने व हॉटलाइन पर अंकित कराने में प्रो. राजबीर ने अहम भूमिका निभाई। लंबे समय तक प्रो. राजबीर के विद्यार्थी एवं शोधार्थी रहे व अब विभाग में सहशिक्षक डॉ. आनंद चौहान, डॉ. वंदना ने कहा कि विभाग को उनकी दूरदर्शिता से बहुत लाभ हुआ। इस अवसर पर डॉ. आरती, प्रो. अंजू, डॉ. मनीषा, डॉ. सतपाल, डॉ. आनंद, पवन सैनी, प्रो. राजबीर की पत्नी प्रो. ज्योति राज, उनके पुत्र अर्जुन सिंह, बड़े भाई रघबीर सिंह, जगवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

उपचुनाव में भाजपा की जीत निश्चित शहर में घूमेगा विकास का पहिया: जैन

सोनीपत। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार व भाजपा के मेयर प्रत्याशी राजीव जैन ने सोमवार को पुरखास अड्डा स्थित अपने कार्यालय में पार्टी के बूथ मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों के साथ संपन्न हुए मतदान के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया। इस दौरान मेयर प्रत्याशी राजीव जैन ने कहा कि मेयर उपचुनाव में भाजपा की शानदार जीत तय है। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरे हरियाणा के नगर निगम व निकाय चुनाव में जीत हासिल कर लोकसभा और विधानसभा की तरह इन चुनावों में भी ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ट्रिपल इंजन सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि सोनीपत की जनता व भाजपा कार्यकर्ताओं को वोटिंग संपन्न होने के बाद अब 12 मार्च का इंतजार है, जिस दिन वोटों की काउंटिंग की जाएगी और 'कमल' खिलेगा। जैन ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से उनके मेयर बनते ही विकास का पहिया तेजी से घूमेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कालेज में विजेताओं का भव्य स्वागत

जीवीएम कॉलेज ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। विजेता प्रतिभागियों के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

सियास्ते कालेज झज्जर में आयोजित प्रदेश स्तरीय गणित-विज्ञान उत्सव उत्कर्ष में जीवीएम गर्ल्ज कालेज की छात्राओं ने चार पुरस्कार जीतकर ओवरऑल ट्रॉफी हासिल की है। जीवीएम की डॉली ने नारा लेखन स्पर्धा में प्रथम तथा निहारिका ने बेस्टा आउट ऑफ वेस्ट स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

महोत्सव की संयोजक प्राध्यापिका रोहिणी मदान ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर झज्जर के सियास्ते कालेज में आयोजित किये गये गणित-विज्ञान उत्सव की विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीवीएम की सात छात्राओं ने हिस्सा लिया। हमारी छात्राओं ने अधिकांश स्पर्धाओं में सफल प्रदर्शन किया। जीवीएम की डॉली ने नारा लेखन स्पर्धा में प्रथम, निहारिका ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट में द्वितीय स्थान तथा मुस्कान ने रंगोली स्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही साक्षी, खुशी व बुलबुल से मिलकर बनाई क्विज टीम ने गणित एवं विज्ञान क्विज में तृतीय स्थान हासिल किया। इनके अलावा कशिश ने पोस्टर मेकिंग कंपीटिशन में सांत्वना पुरस्कार हासिल किया। इस प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल ट्रॉफी जीवीएम को प्रदान की गई। कालेज लौटने पर प्राचार्या डा. मंजुला ने विजेताओं का स्वागत किया।

दलित युवक का अपहरण, अर्धनग्न कर पीटा संगठनों ने दिया तीन दिन का अल्टीमेटम

गोहाना। गांव धनाना में दलित युवक का अपहरण करके उसे अर्धनग्न करके बेरहमी से मारपीट की गई। मामला दो सप्ताह पुराना है लेकिन अब इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने पर मामला तूल पकड़ गया। वीडियो में फर्श पर सीढ़ी बिछाकर दलित युवक को उल्टा लेटाया गया। इसमें आरोपितों में एक युवक ने उसके पैर, दूसरा हाथ पकड़े हुए है और तीसरा डंडे मार रहा है। पुलिस ने एससीएसटी एक्ट, अपहरण व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज करके एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को दलित व पिछड़ा वर्ग के संगठनों ने गोहाना के वाल्मीकि आश्रम में बैठक करके आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया। गांव धनाना के मोनू ने पुलिस को बताया कि 14 फरवरी को वह अपने साथी जगदीप के साथ हथवाला रोड की तरफ घूमने गया था। वहां टिंकू, अनूप, मोनू, सचिन, सोमबीर व दो अन्य युवक पहुंचे और उससे मारपीट करके उसे गाड़ी में डालकर एक आरओ प्लांट पर ले गए। वहां हथियार के बल पर उसके कपड़े उतरवाकर मारपीट की और जातिसूचक शब्द कहे। उसे धमकी दी गई कि अगर पुलिस को शिकायत दी या मेडिकल परीक्षण करवाया तो उसे जान से मार देंगे। पूरी रात उससे मारपीट की गई। अगले दिन पत्नी व मां उसे उठाकर घर ले गए। उसने हिम्मत जुटाकर शनिवार को शिकायत दी, जस पर बरोदा थाना में पांच नामजद व दो अन्य के विरुद्ध केस दर्ज किया गया।